

प्रेषक,

राधा रतूडी,
सचिव, वित्त,
उत्तराखण्ड शासन।

सेवानें,

अपर मुख्य सचिव/
समस्त प्रमुख सचिव/सचिव,
उत्तराखण्ड शासन।

वित्त अनुभाग -1

देहरादून, दिनांक : 19 जनवरी, 2010

विषय:- वित्तीय वर्ष 2009-10 के लिये प्रथम अनुपूर्व अनुदानों की स्वीकृति।

महोदय,

कृपया उपरोक्त विषयक वित्त विभाग के शासनादेश संख्या-05/XXVII(1)/2010 दिनांक 07 जनवरी 2010 का संदर्भ ग्रहण करें।

2. उपर्युक्त उल्लिखित शासनादेश के प्रस्तर-3 में प्रथम अनुपूर्व अनुदान में राज्य योजना एवं जिला योजनान्तर्गत की गई बजट व्यवस्था की स्वीकृति परिलक्ष्य उपलब्ध होने के बावजूद भी वित्त विभाग की सहमति प्राप्त होने के उपरान्त ही स्वीकृत किये जाने के निर्देश दिये गये हैं। अतः उक्त प्रस्तर में आंशिक संशोधन करते हुये मुझे यह कहने का निर्देश हुआ है कि जिला योजनान्तर्गत की गई बजट व्यवस्था की स्वीकृति प्रशासनिक विभाग पूर्व निर्गत शासनादेश संख्या-515/XXVII(1)/2009 दिनांक 28 जुलाई 2009 के प्रस्तर-7 के अनुसार अपने स्तर से व्यय हेतु जिलाधिकारियों के निर्वर्तन पर रख सकते हैं। इसके लिये वित्त विभाग की सहमति आवश्यक नहीं है।

उपरोक्त शासनादेश इस सीमा तक संशोधित समझा जाय। शासनादेश की शेष शर्तें व्यापक रहेंगी।

भवदीय,

(राधा रतूडी)
सचिव, वित्त

संख्या 38 (1)/XXVII(1)/2010 एवं तददिनांक

प्रतिलिपि निम्नलिखित को सूचनार्थ एवं आवश्यक कार्यवाही हेतु प्रेषित:-

1. महालेखाकार उत्तराखण्ड, आंबराय मोटर्स बिल्डिंग, सहारनपुर रोड, नाजरा, देहरादून।
2. समस्त विभागध्यक्ष, उत्तराखण्ड।
3. शासन के समस्त अनुभाग।
4. समस्त जिला वरिष्ठ कोषाधिकारी/कोषाधिकारी, उत्तराखण्ड।
5. एन० आई० सी०, सचिवालय, देहरादून।

आज्ञा से,

(आर० सी० हमी)
संयुक्त सचिव, वित्त